भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक : 18.01.2019

काशी यात्रा-2019 का भव्य आगाज

हम अपनी जान के दुश्मन...

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू का सामाजिक संस्कृत महोत्सव 'काशीयात्रा' का गुरुवार को भव्य आगाज स्वतंत्रता भवन में हुआ। प्रातः काल से ही प्रतिभागी एवं दर्शको का उत्साह देखा देखते बन रहा था। सर्वप्रथम 'मिराज' नामक कार्यक्रम के पहले राउंड का आयोजन हुआ। मिराज के अंतर्गत ही मिस केवाई, मिस्टर केवाई और डिजाइन एलेग्नेट नामक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। देश के कई नामी संस्थान एमिटी (लखनऊ), लखनऊ विश्वविद्यालय, इसावेल थोवर्न, इंद्रा प्रेस कॉलेज, मिरांडा हाउस, काशी बीएचयू, सनवीम कॉलेज और अन्य कालेजों से 275 प्रतिभागियों ने पहले राउंड में हिस्सा लिया। नामी हस्तियों में फैशन डिजाइनर मिस माधुरी मिश्रा और निफ्ट हैदराबाद की आचार्या मिस यशस्वी आनंद ने निर्णायकों की भूमिका निभाई। औपचारिक उद्घाटन के अवसर पर पद्मभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा मुख्य अतिथि रहे। समारोह का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

> मिस केवाई, मिस्टर केवाई की प्रतियोगिताएं आयोजित

स्वागत डीन आफ स्टूडेंट अफेयर प्रो. बी एन राय ने किया व काशीयात्रा के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि यह एक सांस्कृतिक महोत्सव है जिसका उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन करना नहीं है, बल्कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी संस्कार सीखते हैं और अपनी संस्कृति को समझते है।

काशीयात्रा के चेयरमैन प्रो. केके सिंह ने काशीयात्रा के इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यह काशीयात्रा का 37वां संस्करण है। उन्होंने बताया कि काशीयात्रा इस लिए खास है क्योंकि इस वर्ष हम अपना शताब्दी वर्ष भी मना रहे हैं। इस वर्ष वाराणसी के बाहर के लगभग 3000 और कुल मिलाकर लगभग 5000 प्रतिभागी पंजीकरण करा चुके है। काशीयात्रा के संयोजक संप्रीत नयन सिंह ने काशीयात्रा की थीम 'आ विवासियस मोजेक' अर्थात सांस्कृतिक संगम के बारे में जानकारी दी। पद्मभूषण छन्नूलाल मिश्रा गंगा मईया एवं काशी की संस्कृति पर आधारित अपने गीतों से लोगों का मंत्रमुग्ध कर लिया।

धन्यवाद ज्ञापन कल्चरल कौसिल के जनरल सेक्रेटरी साई पवन किया। प्रथम दिन देर शाम तक कवि सम्मेलन का लोगों ने भरपूर लुफ्त उठाया। राहत इंदौरी ने कहा 'हम अपनी जान के दुश्मन को अपनी जान कहते हैं, जो ये दीवार का सुराख है, साजिश का हिस्सा है, मगर हम इसको अपने घर का रोशनदान कहते हैं।' जबकि राहत जी अपनी कविता पाठ के पूर्व कहा कि टेक्निकल संस्थान में साहित्य, कविता के प्रति लगाव से बहुत खुश हूं।